

वार्षिक चन्दा 150 रुपए
एक प्रति 15 रुपए

चन्दे की रकम कृपया
एकलव्य, भोपाल के नाम बने
ड्राफ्ट या मनीऑर्डर से भेजें

संपादन एवं संचालन
एकलव्य

ई-7/एच.आई.जी. 453,
अरेरा कॉलोनी, भोपाल 462 016

फोन : 0755-2463380

फैक्स : 0755-2461703

ई-मेल:eklavvyamp@mantrafreenet.com

स्रोत

विज्ञान एवं टेक्नॉलॉजी फीचर्स
website : www.srote.com

अंक 14/210

जुलाई 2006

राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद्, डी.एस.टी. की एक परियोजना

| | | | |
|--|---|-----------------------|----|
| यमुना की बदाहली 2  | गोलकीपर को दोष देना बेकार है | | |
| | तम्बाकू उपयोग स्वास्थ्य के लिए घातक | डॉ. वाई.पी. गुप्ता | 2 |
| | धूम्रपान घटने से कैंसर में कमी | | 4 |
| | पुर्तगाली युद्धपोत एक प्राणी है | डॉ. चन्द्रशीला गुप्ता | 5 |
| | राजधानी की गंदी नदी यमुना | अमीता बाविस्कर | 6 |
| | प्राकृतवासों की जगह पार्किंग | | 10 |
| | जैव विकास की लम्बी टांगें | | 11 |
| | अफ्रीका की फसलों पर मौसम की मार/प्रोटोज़ोआ बैक्टीरिया को घातक बनाते हैं | | 12 |
| | हम एक पूरी भोजन श्रृंखला खा रहे हैं/पेड़-पौधे भी टेलीफोन टेप करते हैं | | 14 |
| | वृद्धावस्था का रसायन शास्त्र | आर. रामचंद्र मूर्ति | 16 |
| प्रसव के दौरान मृत्यु  | जलवायु परिवर्तन और खेती-बाड़ी | सुशील कुमार | 21 |
| | एकाग्रता की दवाइयां या मौत का सामान? | | 23 |
| | प्रसव के दौरान प्रति मिनट एक महिला की मौत | शक्ति मनीष वैद्य | 24 |
| | जिनेटिक बनावट और हमारा व्यवहार | डॉ. डी. बालसुब्रमण्यन | 25 |
| | जीवन में ज़हर के विभिन्न रूप | डॉ. वाई.पी. गुप्ता | 28 |
| | मोबाइल फोन से मौसम की जानकारी | | 30 |
| | नकली दवाइयों के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय मुहिम | | 30 |
| | उम्र ज़्यादा, जुड़वां बच्चों की संभावना ज़्यादा | | 32 |
| | नहीं किया जा सकता पेटेन्ट गुणसूत्र और जीन्स का | एच.के. गोस्वामी | 33 |
| | डॉल्फिन के नाम होते हैं! | | 35 |
| भूखे पेट तेज़ दिमाग 40  | कोशिका विभाजन में नया पेंच/व्यक्ति की मृत्यु की भविष्यवाणी | | 36 |
| | सतह की चाशनी से बैक्टीरिया की पहचान | | 38 |
| | भौतिकी के एक मिथक का भण्डाफोड़ | | 39 |
| | भूखे पेट, तेज़ दिमाग | | 40 |
| | चांद के धब्बों का उग्न इतिहास | | |

स्रोत में छपे लेखों के विचार लेखकों के हैं। एकलव्य या रा.वि.प्रौ.सं.पं. का इनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। स्रोत का मासिक संस्करण स्वयंसेवी संस्थाओं, सरकारी संस्थाओं व पुस्तकालयों, विज्ञान लेखन से संबद्ध तथा विज्ञान व समाज के रिश्तों में रुचि रखने वाले व्यक्तियों के विशेष अनुरोध पर स्रोत के साप्ताहिक अंकों को संकलित करके तैयार किया जाता है।